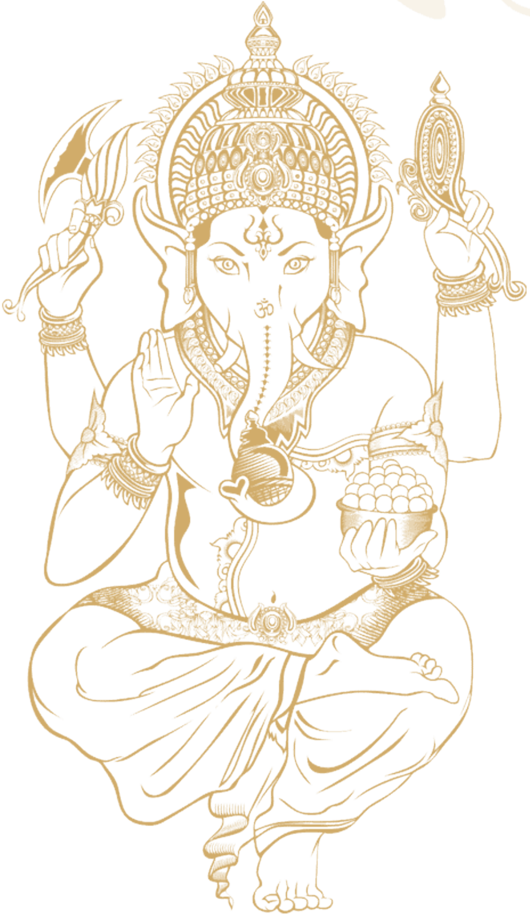

Ritesh/Abhinav sharma

06 Apr 1985

02:30 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120887715

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/04/1985**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:30:00 घंटे**
इष्ट	20:15:27 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:52:32 घंटे
वेलान्तर	-00:02:28 घंटे
साम्पातिक काल	02:50:55 घंटे
सूर्योदय	06:23:49 घंटे
सूर्यास्त	18:56:31 घंटे
दिनमान	12:32:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:51:36 मीन
लग्न के अंश	24:28:02 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	हर्षण
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	24:28:02	313:24:21	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
सूर्य			मीन	22:51:36	00:59:00	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	05:36:38	15:12:20	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल			मेष	22:17:04	00:42:37	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध	व	अ	मीन	17:52:11	00:47:04	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	नीच राशि
गुरु			मक	18:10:44	00:09:34	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	18:53:53	00:37:06	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	03:45:10	00:02:48	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	24:48:18	00:02:00	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	24:48:18	00:02:00	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	24:14:55	00:00:44	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप	व		धनु	09:58:09	00:00:02	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	10:11:24	00:01:36	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			मेष	21:32:45	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:50

लग्न-चलित

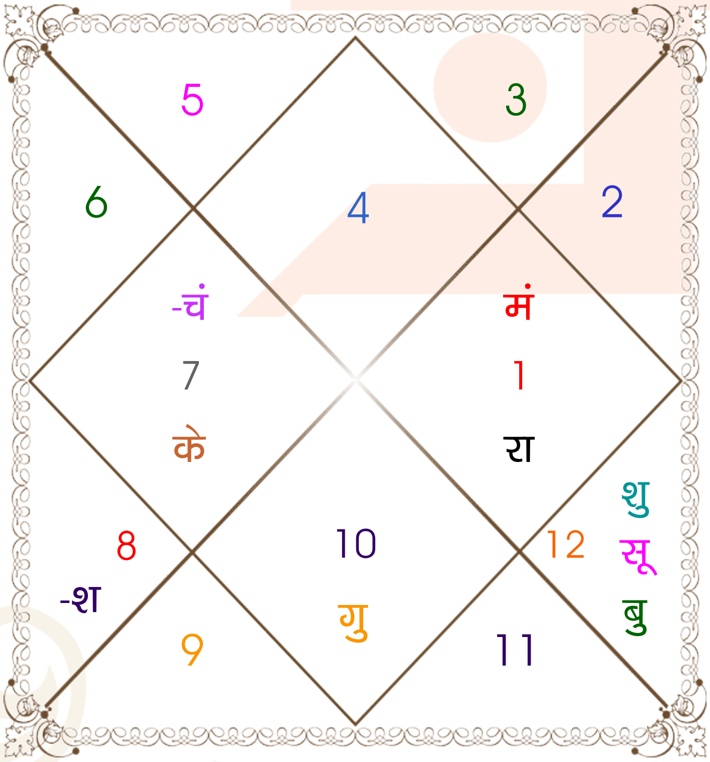

चन्द्र कुंडली

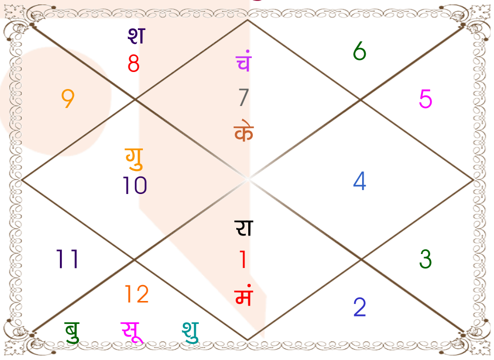

नवमांश कुंडली

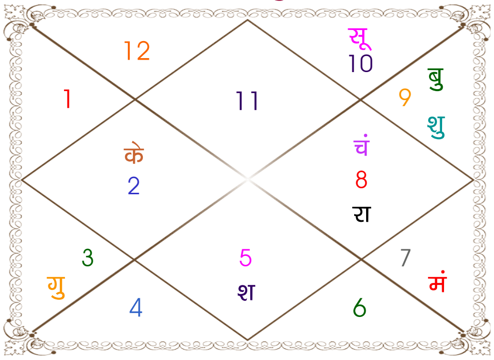

रुद्र वैदिक वास्तु एवं ज्योतिष कंसलटेंसी

जोधपुर - राजस्थान -(भारत)

9784732978

kishorchoukha@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 6 मास 19 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/04/1985		26/10/1985		26/10/2003		26/10/2019		26/10/2038	
26/10/1985		26/10/2003		26/10/2019		26/10/2038		26/10/2055	
	00/00/0000	राहु	08/07/1988	गुरु	13/12/2005	शनि	29/10/2022	बुध	24/03/2041
	00/00/0000	गुरु	01/12/1990	शनि	26/06/2008	बुध	08/07/2025	केतु	21/03/2042
	00/00/0000	शनि	07/10/1993	बुध	02/10/2010	केतु	17/08/2026	शुक्र	19/01/2045
	00/00/0000	बुध	26/04/1996	केतु	07/09/2011	शुक्र	17/10/2029	सूर्य	25/11/2045
	00/00/0000	केतु	14/05/1997	शुक्र	08/05/2014	सूर्य	28/09/2030	चंद्र	27/04/2047
	00/00/0000	शुक्र	14/05/2000	सूर्य	25/02/2015	चंद्र	29/04/2032	मंगल	23/04/2048
	00/00/0000	सूर्य	08/04/2001	चंद्र	26/06/2016	मंगल	08/06/2033	राहु	10/11/2050
	06/04/1985	चंद्र	08/10/2002	मंगल	02/06/2017	राहु	14/04/2036	गुरु	15/02/2053
चंद्र	26/10/1985	मंगल	26/10/2003	राहु	26/10/2019	गुरु	26/10/2038	शनि	26/10/2055

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/10/2055		26/10/2062		26/10/2082		25/10/2088		26/10/2098	
26/10/2062		26/10/2082		25/10/2088		26/10/2098		07/04/2105	
केतु	23/03/2056	शुक्र	24/02/2066	सूर्य	12/02/2083	चंद्र	26/08/2089	मंगल	24/03/2099
शुक्र	23/05/2057	सूर्य	25/02/2067	चंद्र	14/08/2083	मंगल	27/03/2090	राहु	12/04/2100
सूर्य	28/09/2057	चंद्र	25/10/2068	मंगल	20/12/2083	राहु	26/09/2091	गुरु	18/03/2101
चंद्र	29/04/2058	मंगल	26/12/2069	राहु	13/11/2084	गुरु	25/01/2093	शनि	27/04/2102
मंगल	25/09/2058	राहु	25/12/2072	गुरु	01/09/2085	शनि	26/08/2094	बुध	24/04/2103
राहु	14/10/2059	गुरु	26/08/2075	शनि	14/08/2086	बुध	25/01/2096	केतु	21/09/2103
गुरु	19/09/2060	शनि	26/10/2078	बुध	20/06/2087	केतु	26/08/2096	शुक्र	20/11/2104
शनि	29/10/2061	बुध	26/08/2081	केतु	26/10/2087	शुक्र	26/04/2098	सूर्य	28/03/2105
बुध	26/10/2062	केतु	26/10/2082	शुक्र	25/10/2088	सूर्य	26/10/2098	चंद्र	07/04/2105

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 6 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ है। तत्क्षण मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्नान्तर्गत कुंभ का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्रीय प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं तथापि आशा है कि आपको अपनी अच्छी जिन्दगी के लिए जीवन के 34 वें वर्ष तक उत्सुकता पूर्वक प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु आप यदि विश्वासपूर्वक कृतसंकल्पित होकर भली प्रकार अपने कर्मपथ पर प्रयासरत एवं कार्यरत रहें तो समय के पूर्व भी सफल हो सकते हैं।

आपकी राशि प्रभाव से यह स्पष्ट संकेत प्राप्त होता है कि आपकी आय अच्छी होगी परन्तु आपके सम्बंध में सभी लोग जानते है कि आप मध्यपान एवं आनन्द प्राप्त करते हैं। परन्तु यह विन्दु स्पष्ट करता है कि आप किस प्रकार रमणीय एवं मूल्यवान प्रेम सम्बंध से सुरक्षित रह सकेंगे। सम्प्रति आपकी मनोवृति अत्यधिक स्वार्थपूर्ण हैं। आप सदैव अधिक मात्रा में अपने स्वार्थ साधन हेतु धन का व्यय कर सकते हैं। इस दशा में आपकें बृहद् परिवार के साथ मतभिन्नता रहना स्वभाविक है कि आपकी पत्नी के साथ आपका उत्कट प्रेम एवं अनुशासित सन्तान का स्नेह सम्बंध किस प्रकार मधुर बना रह सकेगा।

अतएव आपको सावधानी पूर्वक धन का व्यय करना चाहिए अन्यथा आपका जीवन एवं पारिवारिक सम्बंध स्थापित रहना अस्वाभाविक है।

यह आपके ऊपर निर्भर है कि आप अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप इस महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन कर लाभान्वित हो। आप रूचिकर साहित्य का पठन एवं लेखन कर प्रभावशाली बातचीत करते हैं। आप अन्य लोगों पर इसका समुचित उपयोग कर अपना प्रभाव जमा सकते हैं। यदि आप अन्य लोगों के साथ इस नकारात्मक गुणों का व्यवहार करें तो अन्य लोगों को ऐसा सन्देह हो सकता है कि आप उनके साथ धोखा धड़ी करते हैं। यदि एक वार लोगों की ऐसा धारणा बन गई तो पुनः इसको मिटना दुष्कर कार्य होगा। परिणाम स्वरूप आप अपने व्यवसायिक एवं अन्य व्यवहार लोगों के साथ कर के सफलता प्राप्त नहीं करेंगे।

परन्तु यदि आप अपनी प्रवृति अच्छे कार्यो के अनुरूप कर ले तो आप स्वयं ही नहीं बल्कि सहयोगी बन्धु-बान्धव एवं अतिप्रिय व्यक्ति युक्त आवश्यकता के अनुरुप सुखद जीवन बिता सकते हैं। आपके लिए सुन्दर एवं अनुकूल व्यवसाय प्रवृति के अनुरूप वाणिज्य व्यवसाय हेतु लेखा परीक्षण का कार्य, ट्रेवल्स एजेन्ट्स एवं यानी निर्देशन का कार्य (गाईड का कार्य) सुन्दर एवं अनुकूल है।

आप स्वाभाविक रूप से समर्पित व्यक्ति हैं। आपकी धार्मिक मामले में अभिरूचि है और आपका विकास भी इसी क्षेत्र में होगा। यह गुण आपके सामान्य ज्ञान एवं आपकी शिक्षा द्वारा दर्शनशास्त्र के प्रकाशन से संभव एवं अनुकूल हो सकता है। इसके द्वारा आपको लाभांश प्राप्त होगा।

आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं उत्तम रहेगा। परन्तु यह संभव है कि आप उदर रोग,

जलोदर, एवं गांठ की जोड़ों दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको निर्देश है कि आप स्वास्थ्य के सम्बंध में पूर्ण सावधानी बरतें एवं समय-समय पर संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए चिकित्सा सम्बंधी जाँच कराते रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली अनुकूल एवं प्रफ्फुलित करने वाला है। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक निष्क्रिय एवं अंक 3 एवं 5 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपका भाग्यशाली रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं सफेद रंग है तथा नकारात्मक रंग हरा एवं ब्लू रंग है।

जोधपुर - राजस्थान -(भारत)
9784732978
kishorchoukha@gmail.com